



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 27 जून, 2026

जारी करने का समय: 1340 घंटे

विषय: (i) इस हफ्ते पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में भारी से बहुत भारी बारिश (7-20 सेमी) होने की संभावना है। साथ ही, 27 से 29 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में और 28 जून, 2026 को असम और मेघालय में कहीं-कहीं बहुत ज़्यादा भारी बारिश हो सकती है।

(ii) अगले 2 दिनों के दौरान उत्तर प्रदेश में उष्ण लहर से लेकर भीषण उष्ण लहर की स्थिति रहने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 का आगे बढ़ना (अनुबंध I):

- ❖ 27 जून तक मानसून की उत्तरी सीमा 20°N/60°E, 20°N/65°E, 20°N/70°E, सूरत, इंदौर, मंडला, डाल्टनगंज, मोतिहारी और 28.3°N/83°E से होकर गुज़र रही है।
- ❖ अगले 3-4 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के उत्तरी अरब सागर, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और बिहार के बाकी हिस्सों, और उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में और आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ हैं।

आज, 27 जून, 2026 को सुबह 08:30 बजे IST तक पिछले 24 घंटों में दर्ज किया गया मौसम:

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और पश्चिमी मध्य प्रदेश में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश (12-20 सेमी) दर्ज की गई।
- ❖ कोंकण, पूर्वी मध्य प्रदेश, बिहार, अरुणाचल प्रदेश, असम, तटीय आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में कुछ जगहों पर भारी बारिश (7-11 सेमी) दर्ज की गई।
- ❖ हरियाणा में कुछ जगहों पर 60-80 किमी/घंटा की रफ़्तार वाली तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान दर्ज किया गया; वहीं अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, ओडिशा, कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात क्षेत्र, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और झारखंड में कुछ जगहों पर 40-60 किमी/घंटा की रफ़्तार वाली हवाएँ चलीं।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू जैसी स्थिति रही और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में लू की स्थिति बनी रही।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में गर्म रात की स्थिति रही।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ दिन/अधिकतम तापमान (26-06-2026 तक): कल, पूर्वी उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर; और पश्चिमी मध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पश्चिमी राजस्थान व झारखंड में कुछ अलग-अलग जगहों पर दिन/अधिकतम तापमान 40-43°C के बीच रहा; देश के बाकी हिस्सों में यह 40°C से कम रहा। सबसे ज़्यादा अधिकतम तापमान 43.4°C रोहतक (हरियाणा) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन/अधिकतम तापमान में अंतर (26-06-2026 तक): पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कुछ जगहों पर सामान्य से काफी ज़्यादा (> 5.1°C); असम और मेघालय, ओडिशा, बिहार, उत्तराखंड, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और मध्य महाराष्ट्र में कुछ अलग-अलग जगहों पर। पंजाब में कई जगहों पर; छत्तीसगढ़ में ज़्यादातर जगहों पर; अरुणाचल प्रदेश, गुजरात क्षेत्र, विदर्भ और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कुछ जगहों पर; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, गांगेय पश्चिम बंगाल, झारखंड, पश्चिमी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C)। मराठवाड़ा और तटीय कर्नाटक में

ज्यादातर जगहों पर; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा तथा पश्चिमी राजस्थान में कुछ जगहों पर; जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, पूर्वी राजस्थान, तेलंगाना, रायलसीमा और केरल और माहे में कुछ अलग-अलग जगहों पर सामान्य से ज़्यादा (1.6°C से 3.0°C); और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब/सामान्य से कम।

- ❖ रात का तापमान/न्यूनतम तापमान (27-06-2026 तक): हरियाणा, उत्तर प्रदेश, ओडिशा में सामान्य से काफी ज़्यादा (3.1°C से 5.0°C); पंजाब, उत्तराखंड, राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, गुजरात राज्य, बिहार, झारखंड, गांगेय पश्चिम बंगाल, असम, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में सामान्य से ऊपर (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब/सामान्य से नीचे।

मौसम प्रणालियाँ, पूर्वानुमान और चेतावनियाँ (अनुबंध II और III):

- ❖ मौसमी ट्रफ़ पंजाब से बिहार तक फैली हुई है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर उत्तरी तेलंगाना और आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर तटीय आंध्र प्रदेश से मध्य महाराष्ट्र तक एक ट्रफ़ फैली हुई है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर मध्य उत्तर प्रदेश के उत्तरी हिस्सों से तेलंगाना तक एक ट्रफ़ फैली हुई है।
- ❖ निचले और मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर हरियाणा और आस-पास के इलाकों में साइक्लोनिक सर्कुलेशन के रूप में एक वेस्टर्न डिस्टर्बेंस बना हुआ है।
- ❖ निचले ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर पंजाब और उससे सटे पाकिस्तान के ऊपर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- ❖ निचले और मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर उत्तरी गुजरात और आस-पास के इलाकों में ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- ❖ मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे सटे दक्षिणी तटीय आंध्र प्रदेश के ऊपर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।
- ❖ निचले और मध्यम ट्रोपोस्फेरिक लेवल पर मध्य छत्तीसगढ़ और उससे सटे ओडिशा के ऊपर ऊपरी हवा का साइक्लोनिक सर्कुलेशन बना हुआ है।

ऊपर बताई गई प्रणालियों के प्रभाव से, निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 27-29 जून के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में; और 27-30 जून के दौरान हिमाचल प्रदेश में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 जून-2 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 29 जून-3 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 27-30 जून के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में; और 27 जून-3 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान और पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं या कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 जून-3 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद और उत्तराखंड में; और 1-3 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 3 जुलाई को हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; और 1-3 जुलाई के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश में काफी ज़्यादा या बड़े इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 30 जून-3 जुलाई के दौरान जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 27 जून-3 जुलाई के दौरान हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 1-3 जुलाई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली और पंजाब में; 30 जून-3 जुलाई के दौरान पश्चिमी उत्तर प्रदेश में; 27 जून-3 जुलाई के दौरान पूर्वी राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 27 जून-3 जुलाई के दौरान पश्चिमी राजस्थान में तेज़ हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ़्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 27-30 जून के दौरान पंजाब में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।

- ❖ जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में 2-3 जुलाई के दौरान; हिमाचल प्रदेश में 1-3 जुलाई के दौरान; उत्तराखंड में 30 जून-3 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 27 जून-3 जुलाई के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 27 जून-1 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 27 जून को कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में 2-3 जुलाई के दौरान; विदर्भ में 28 जून-3 जुलाई के दौरान; छत्तीसगढ़ में 27 जून-3 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 27 जून-1 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (रफ्तार 40-50 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ छत्तीसगढ़ में 27 जून-1 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की संभावना है।
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश में 27 जून और 29-30 जून के दौरान; पूर्वी मध्य प्रदेश में 27 जून और 29 जून को; छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 27 जून-3 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 जून को मध्यम से तेज बिजली कड़कने की गतिविधि।

पूर्वी भारत:

- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 जून-3 जुलाई के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 28 जून-3 जुलाई के दौरान; झारखंड में 29 जून-3 जुलाई के दौरान; बिहार में 29 जून-1 जुलाई के दौरान काफी बड़े इलाके में या लगभग सभी जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और ओडिशा में 27 जून को; झारखंड में 27-28 जून के दौरान; बिहार में 27-28 जून और 2-3 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं से लेकर कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है। □ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27 जून और 2-3 जुलाई के दौरान; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, झारखंड और ओडिशा में 27 जून से 3 जुलाई के दौरान; बिहार में 27-29 जून और 2-3 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है। साथ ही, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 28 जून से 3 जुलाई के दौरान; बिहार में 30 जून से 1 जुलाई के दौरान तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की रफ्तार, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 28-29 जून; उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27-29 जून और 1-3 जुलाई; गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल और झारखंड में 30 जून-1 जुलाई; बिहार में 27-28 जून और 1 जुलाई; ओडिशा में 27-29 जून और 2-3 जुलाई के दौरान कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 30 जून; बिहार में 29-30 जून; ओडिशा में 30 जून-1 जुलाई को कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की भी संभावना है।
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में 28 जून से 1 जुलाई के दौरान आंधी-तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।
- ❖ गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल में 28-30 जून; बिहार, झारखंड और ओडिशा में 27-29 जून के दौरान मध्यम से तेज बिजली कड़कने की गतिविधि होने की संभावना है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 27-29 जून के दौरान कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 27 जून से 1 जुलाई के बीच अरुणाचल प्रदेश में; और 27 जून से 3 जुलाई के बीच असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 2 से 3 जुलाई के बीच अरुणाचल प्रदेश में कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।

- ❖ 27 जून से 1 जुलाई के बीच अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय तथा नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 30 जून से 2 जुलाई के बीच अरुणाचल प्रदेश में; 28 जून और 1 से 3 जुलाई के बीच असम और मेघालय में; 27 जून से 3 जुलाई के बीच नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। साथ ही, 27 से 29 जून के बीच अरुणाचल प्रदेश में; और 27 जून तथा 29 से 30 जून के बीच असम और मेघालय में कुछ जगहों पर बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 28 जून को असम और मेघालय में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

पश्चिम भारत:

- ❖ 27 जून से 3 जुलाई के बीच कोंकण और गोवा में; और 3 जुलाई को मध्य महाराष्ट्र में काफी बड़े इलाके से लेकर पूरे इलाके में बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 जून से 2 जुलाई के बीच मध्य महाराष्ट्र में; और 27 जून से 3 जुलाई के बीच गुजरात क्षेत्र, मराठवाड़ा और सौराष्ट्र और कच्छ में कुछ जगहों पर बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 से 30 जून के बीच कोंकण और गोवा तथा मध्य महाराष्ट्र में; 27 जून से 1 जुलाई के बीच मराठवाड़ा में; और 1 जुलाई को गुजरात क्षेत्र में कुछ जगहों पर आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज़ हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 27 जून से 3 जुलाई के बीच कोंकण और गोवा में; 27 जून और 1 से 3 जुलाई के बीच मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में; और 2 से 3 जुलाई के बीच गुजरात क्षेत्र में कुछ जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:
- ❖ 27 जून से 3 जुलाई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 27 जून और 1 जुलाई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 27 जून को दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 29 जून से 3 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 28 जून से 3 जुलाई के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं या छिटपुट बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27 जून से 3 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक, केरल और माहे, लक्षद्वीप और तेलंगाना में; 28-30 जून और 2-3 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 28 जून से 3 जुलाई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में; 27-28 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में; 27 जून को रायलसीमा में काफी व्यापक से व्यापक बारिश होने की संभावना है।
- ❖ 27-29 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 27 जून से 1 जुलाई के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश और यनम तथा केरल और माहे में; 28-29 जून के दौरान लक्षद्वीप में; 27-30 जून के दौरान रायलसीमा में कहीं-कहीं आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाएं (40-50 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है; साथ ही 28 जून से 3 जुलाई के दौरान तटीय कर्नाटक में; 29 जून से 3 जुलाई के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 1 जुलाई को रायलसीमा में; 27 जून से 3 जुलाई के दौरान तेलंगाना में तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा की गति, झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) चलने की संभावना है।
- ❖ 29 जून से 3 जुलाई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में कहीं-कहीं आंधी-तूफान और बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ 27-29 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में; 27 जून और 30 जून से 3 जुलाई के दौरान केरल और माहे में; 28-29 जून के दौरान लक्षद्वीप में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की संभावना है। तटीय कर्नाटक और तेलंगाना में 27 जून से 3 जुलाई के बीच; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 2-3 जुलाई के बीच; दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 30 जून से 3 जुलाई के बीच; तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 27-28 जून और 1-3 जुलाई के बीच; रायलसीमा में 27 जून को; साथ ही केरल और माहे में 28-29 जून के दौरान कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ तटीय कर्नाटक में 27 जून से 3 जुलाई के बीच; उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में 29 जून से 3 जुलाई के बीच तेज़ सतही हवाएं चलने की संभावना है।

लू (हीट वेव), गर्म और उमस भरे मौसम और गर्म रात की स्थितियों की चेतावनी:

- ❖ बिहार और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 27-28 जून के बीच कहीं-कहीं लू की स्थिति; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27-30 जून के बीच (जिसमें 27-28 जून को कहीं-कहीं भीषण लू की स्थिति); पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 27-29 जून के बीच (जिसमें 27-28 जून को कहीं-कहीं भीषण लू की स्थिति) होने की बहुत संभावना है।

❖ झारखंड और ओडिशा में 27 जून को गर्म और उमस भरे मौसम की स्थिति रहने की संभावना है।

अधिकतम/दिन के तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ उत्तर-पश्चिम भारत में 30 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने और 3 जुलाई तक धीरे-धीरे 4-6°C की गिरावट होने की संभावना है।
- ❖ मध्य भारत में 30 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने और 3 जुलाई तक धीरे-धीरे 2-3°C की गिरावट होने की संभावना है।
- ❖ पूर्वी भारत में 28 जून तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने, 29 जून से 1 जुलाई के दौरान धीरे-धीरे 2-4°C की गिरावट होने और उसके बाद कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है।
- ❖ देश के बाकी हिस्सों में 3 जुलाई, 2026 तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव नहीं होने की संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे इन इलाकों में न जाएं:

- ❖ बंगाल की खाड़ी: 27 जून से 1 जुलाई के बीच पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी और आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में; 28 जून से 2 जुलाई के बीच दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी और अंडमान सागर में।
- ❖ अरब सागर: 27 जून से 2 जुलाई के बीच सोमालिया के तटों और दक्षिण-पश्चिम व पश्चिम-मध्य अरब सागर के कुछ हिस्सों में; 27 जून को कोंकण, गोवा और कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप इलाके और उससे सटे पूर्व-मध्य व दक्षिण-पूर्व अरब सागर में; 28 जून से 2 जुलाई के बीच दक्षिण कोंकण और गोवा, कर्नाटक और केरल के तटों, लक्षद्वीप इलाके और उससे सटे पूर्व-मध्य व दक्षिण-पूर्व अरब सागर में; 2 जुलाई को गुजरात और उत्तर कोंकण तट पर; 2 जुलाई तक मन्नार की खाड़ी और उससे सटे कोमोरिन इलाके में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 27 से 30 जून 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: कुमारग्राम 16;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: पीथमपुर (धार) 13;
- ❖ तेलंगाना: वेंकटपुरम (जिला मुलुगु) 10;
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश: कुकुनूर (जिला एलुरु) 9;
- ❖ बिहार: पुरानी 8;
- ❖ अरुणाचल प्रदेश: पासीघाट (सीडब्ल्यूसी) 8;
- ❖ असम: तिनसुकिया एनटीपीएस_एपीडीसीएल 7;
- ❖ कोंकण: वैभववाड़ी (सिंधुदुर्ग) 7;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: बिलहरी (कटनी) 7।

तेज़ हवाएँ (>=40 किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ हरियाणा: हिसार - 81;
- ❖ अंडमान और निकोबार द्वीप समूह: श्री विजयपुरम - 52;
- ❖ कच्छ: भचाऊ एएमएफयू 50;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: मुक्ताईनगर (जलगाँव) - 48; दौंडाइचा (धुले) - 48; बारामती (पुणे) - 44;
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अरनेज (एएचएमडी) 48;
- ❖ ओडिशा: भुवनेश्वर - 46;
- ❖ हिमाचल प्रदेश: नेरी - 46;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: जबलपुर - 46; रीवा - 46; शहडोल - 41;
- ❖ विदर्भ: वर्धा 44;
- ❖ झारखंड: नेतरहाट - 41|

अनुलग्नक I

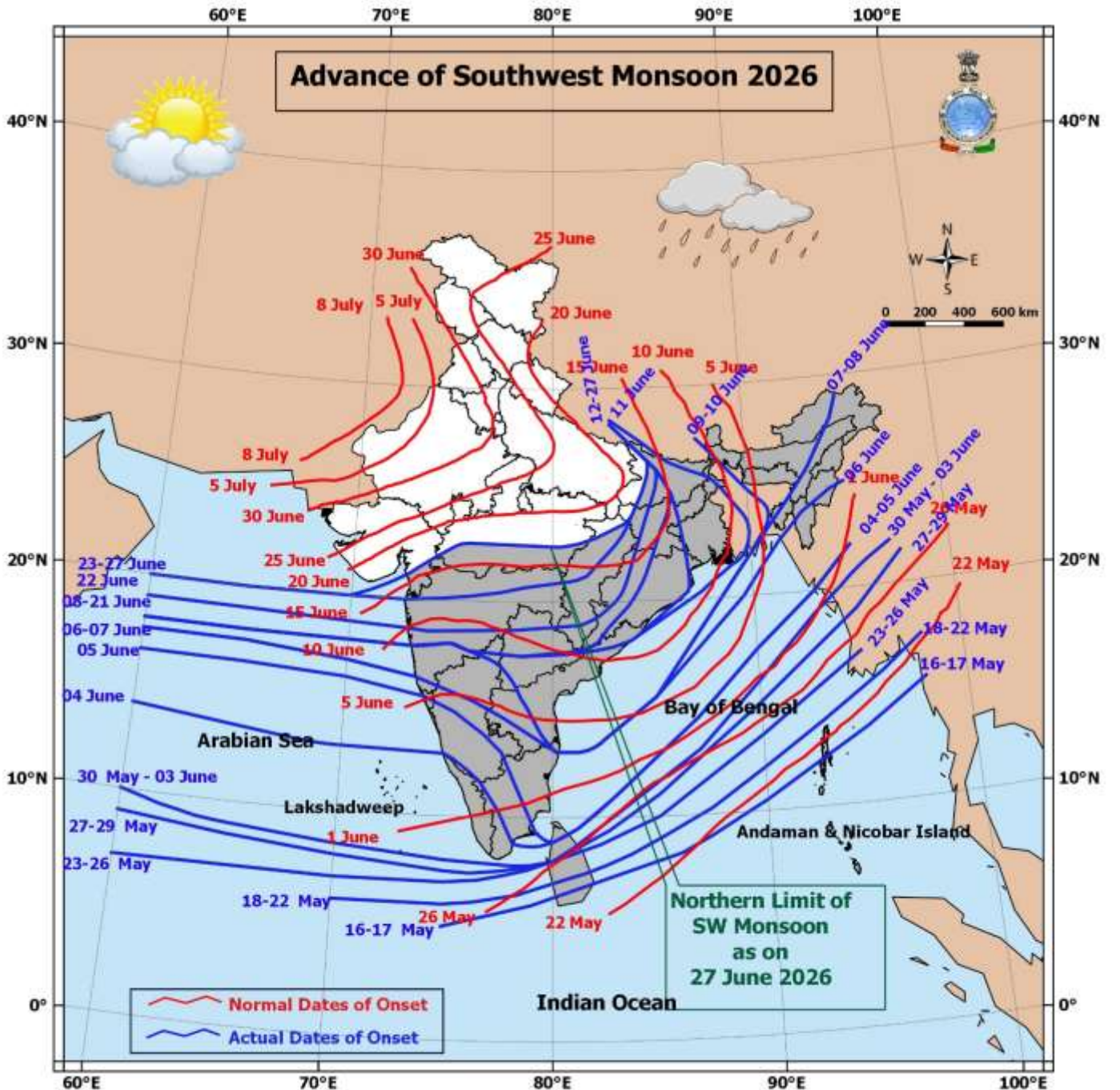
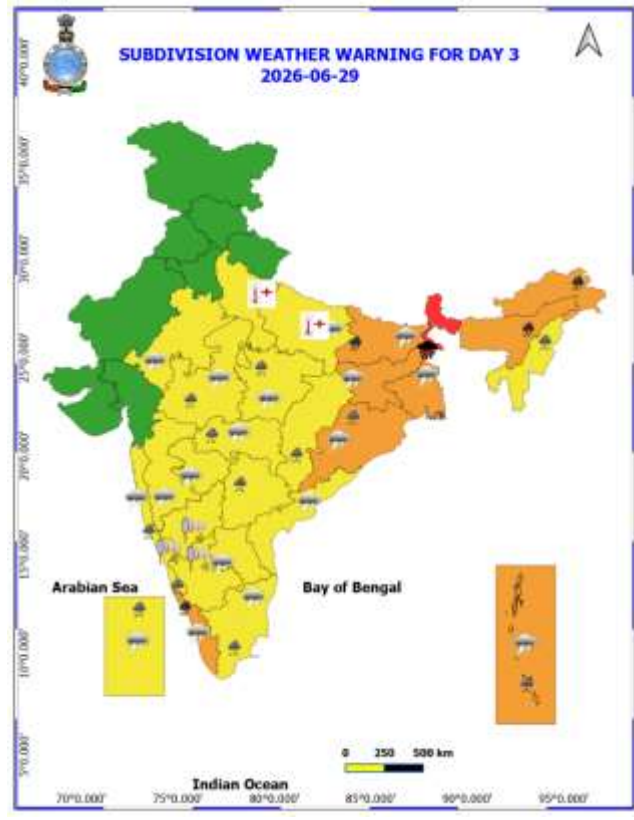
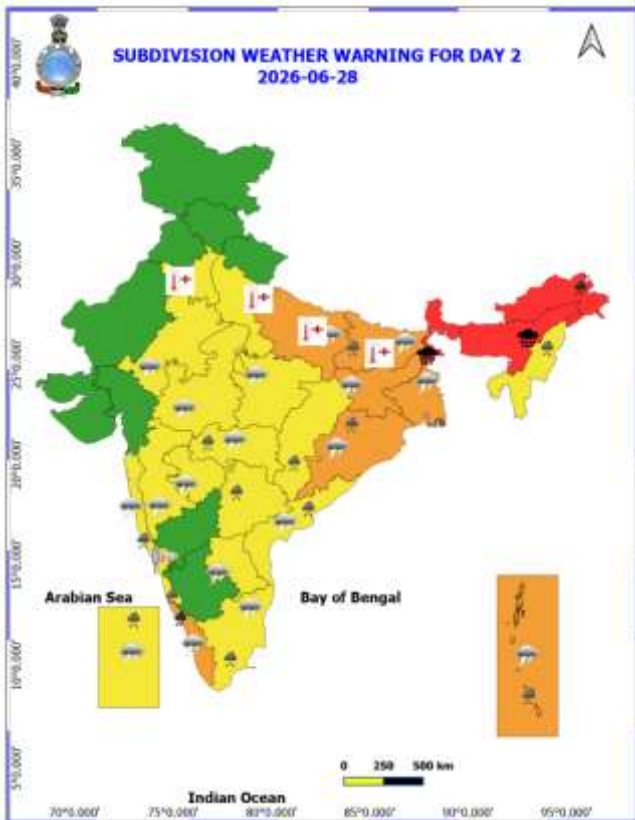
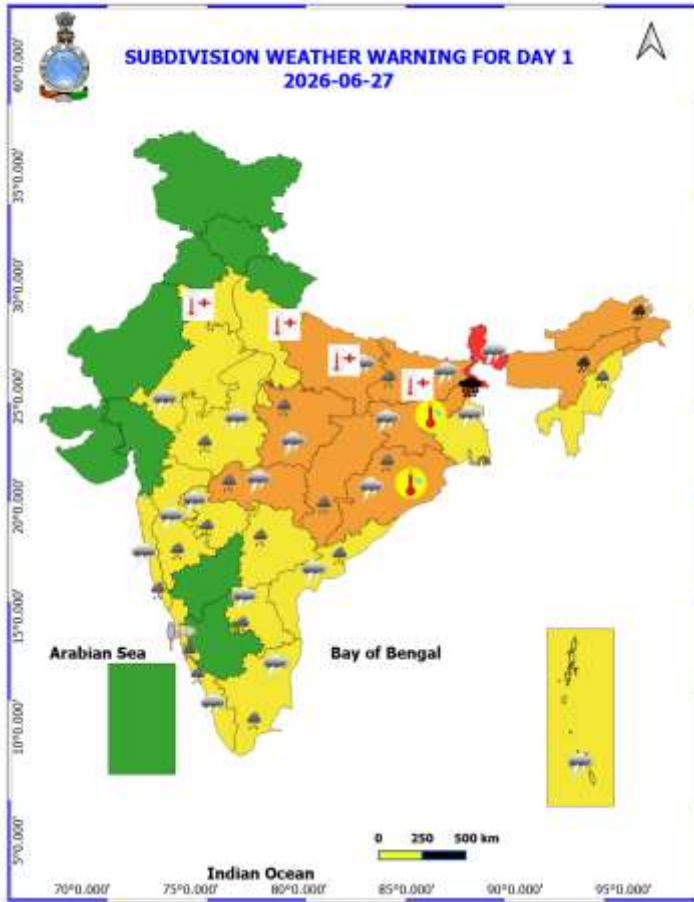
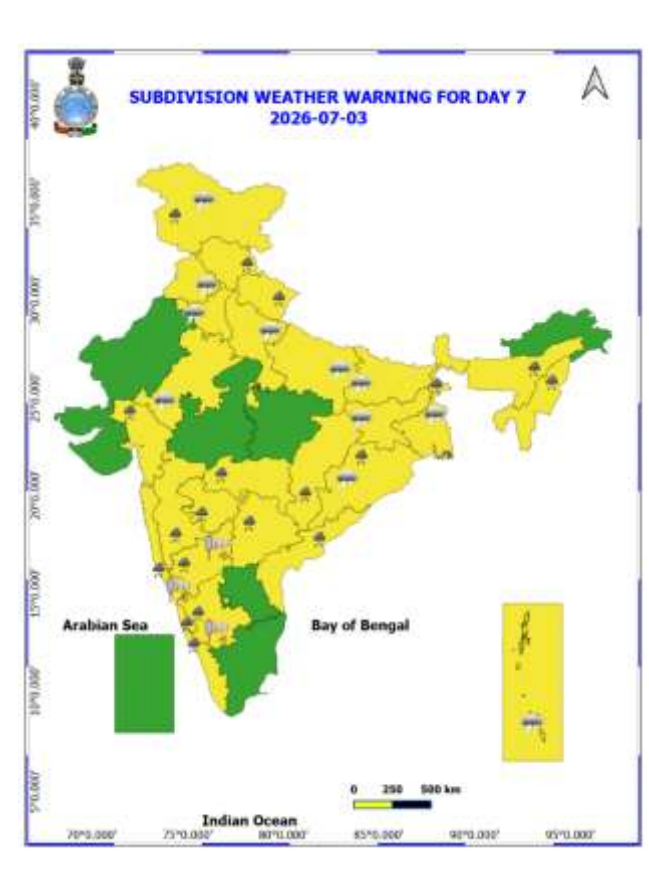
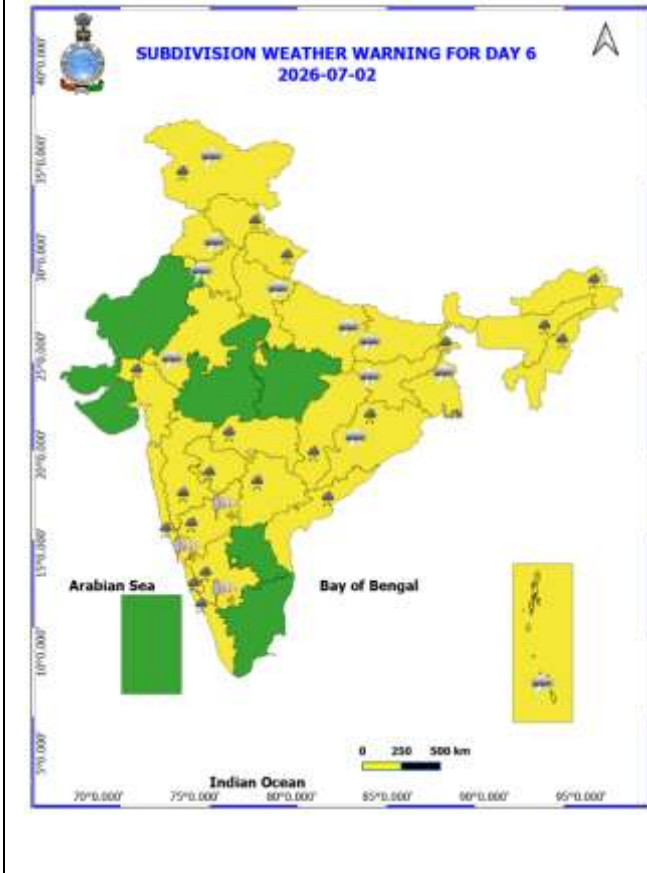
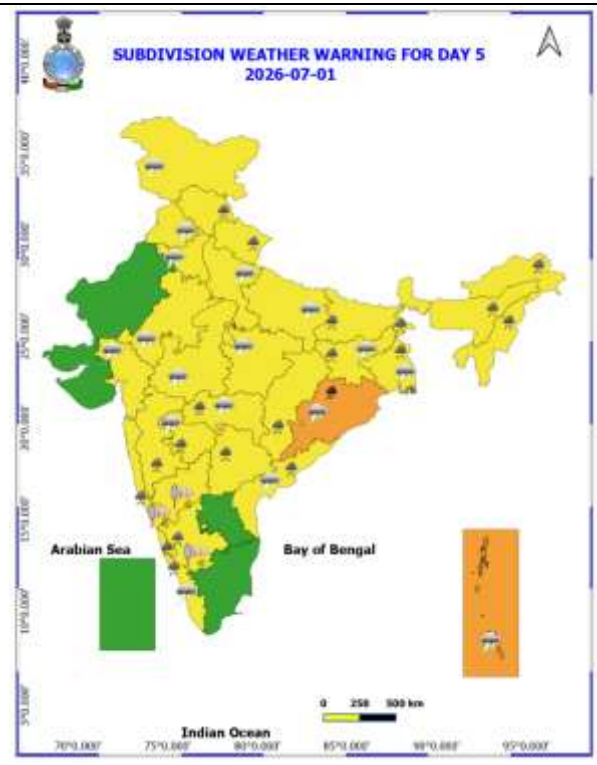
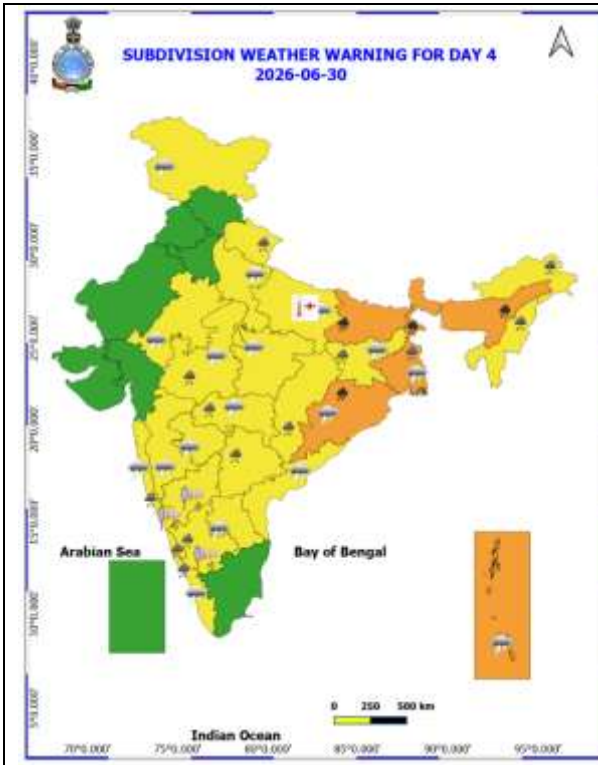


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	27- Jun	28- Jun	29- Jun	30- Jun	1- Jul	2- Jul	3- Jul
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
7	ODISHA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
8	JHARKHAND	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
9	BIHAR	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS	FWS	FWS
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
12	UTTARAKHAND	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS
15	HIMACHAL PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
20	EAST MADHYA PRADESH	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
21	GUJRAT REGION	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
23	KONKAN & GOA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
24	MADHYA MAHARASHTRA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS
25	MARATHWADA	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
26	VIDARBHA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
27	CHHATTISGARH	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT
29	TELANGANA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
30	RAYALASEEMA	FWS	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	FWS	SCT	FWS	FWS
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
35	KERALA AND MAHE	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS
36	LAKSHADWEEP	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS	FWS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

27 जून से 30 जून 2026 के दौरान दिल्ली/NCR में मौसम का पूर्वानुमान

पिछले मौसम का हाल:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 2-3°C और न्यूनतम तापमान में 1-3°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 40-42°C और न्यूनतम तापमान 27-31°C के बीच दर्ज किया गया। कई जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। कई जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) और दिल्ली के बाकी हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहा और दक्षिण-पश्चिम दिशा से 18 किमी/घंटा की रफ्तार से ज़मीनी हवाएं चलीं, जिनकी गति कभी-कभी 30 किमी/घंटा तक पहुँच गई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में कुछ जगहों पर बहुत हल्की बारिश हुई। आज सुबह के समय इस इलाके में पश्चिम दिशा से 15 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवाएं चलने और आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहने की संभावना है।

मौसम का पूर्वानुमान:

27.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दोपहर/रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ-साथ आंधी/बिजली कड़कने और 30-40 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से तेज़ ज़मीनी हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 40-42°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी ज्यादा (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से 20 किमी/घंटा तक की रफ्तार से ज़मीनी हवाएं चलने की संभावना है। शाम और रात के समय हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी।

28.06.2026: आसमान आंशिक रूप से बादल वाला रहेगा। दोपहर/शाम के समय आंधी-तूफान की स्थिति बनने की संभावना है। दिन के समय 20-30 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 40 किमी/घंटा तक) की रफ्तार से तेज़ ज़मीनी हवाएं चलेंगी। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 22 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

29.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और 30-40 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 50 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) और अधिकतम तापमान भी सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से हवा की गति कम होकर 22 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

30.06.2026: आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दोपहर/रात के समय बहुत हल्की से हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली कड़कने और 40-50 किमी/घंटा (झोंकों के साथ 60 किमी/घंटा तक) की तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 37°C से 39°C और न्यूनतम तापमान 28°C से 30°C के बीच रहने की संभावना है। ज्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज्यादा (1.6°C से 3.0°C) रहेगा, और दिल्ली में ज्यादातर जगहों पर अधिकतम तापमान सामान्य के आस-पास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। ज़मीन के पास मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवा चलने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 20 किमी/घंटा तक हो सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 25 किमी/घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति कम होकर 20 किमी/घंटा तक रह जाएगी।

बिजली और तेज़ हवाओं के साथ आंधी-तूफान के कारण संभावित असर और सुझाव:

धूल उड़ाने वाली ज़मीनी हवाओं के साथ बिजली कड़कने और तेज़ हवाओं (40-50 किमी/घंटा, जो 60 किमी/घंटा तक पहुँच सकती हैं) के साथ आंधी-तूफान आने की संभावना है।

•संभावित असर: पेड़ों की टहनियों का टूटना और बड़े पेड़ों का उखड़ना, सूखे पेड़ों की टहनियों का गिरना, खड़ी फसलों को नुकसान, टहनियाँ गिरने से बिजली और संचार लाइनों को कम या ज़्यादा नुकसान, तेज़ हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान, ढीली या हल्की चीज़ों का उड़ जाना।

•जनता की सुरक्षा के लिए सलाह: मौसम की जानकारी और बिगड़ते हालात पर नज़र रखें, घर के अंदर रहें और बिना ज़रूरत यात्रा न करें, खिड़कियाँ और दरवाज़े अच्छी तरह बंद रखें, सुरक्षित जगहों पर शरण लें और खुली जगहों से बचें, पेड़ों के नीचे शरण न लें, बिजली कड़कने के दौरान कंक्रीट के फ़र्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों के सहारे खड़े हों, बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें, तुरंत जलाशयों से बाहर निकल आएँ, बिजली के सुचालक (करंट पहुँचाने वाली) चीज़ों से दूर रहें।

नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे सतर्क रहें और जान-माल के नुकसान से बचने के लिए सुरक्षा सावधानियों का पालन करें।।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 27 जून को मध्य भारत में; और 27-29 जून के दौरान गंगा के मैदानी इलाकों वाले पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और ओडिशा में मध्यम से तेज़ बिजली कड़कने की गतिविधि हो सकती है।
- ❖ 28 जून से 1 जुलाई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में तेज़ हवाओं के साथ तूफान (हवा की गति 50-60 किमी/घंटा, झोंकों के साथ 70 किमी/घंटा तक) आने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमज़ोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नज़र रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाज़े बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फ़र्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ 27-29 जून के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; और 28 जून को असम और मेघालय में कई जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश और कुछ जगहों पर बहुत ज़्यादा भारी बारिश होने की संभावना है।

- ❖ इसके अलावा, 30 जून को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में; 29-30 जून के दौरान बिहार में; 30 जून से 1 जुलाई के दौरान ओडिशा में; 27-29 जून के दौरान अरुणाचल प्रदेश में; 27 जून और 29-30 जून को असम और मेघालय में; और 28-29 जून के दौरान केरल और माहे में भी कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

हीट वेव (लू) या बहुत ज़्यादा गर्मी की स्थिति के कारण संभावित असर और सुझाए गए उपाय:

- ❖ 27-28 जून के दौरान बिहार और हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में लू (heat wave) चलने की बहुत संभावना है; पूर्वी उत्तर प्रदेश में 27-30 जून के दौरान लू चलने की संभावना है, जिसमें 27-28 जून को कुछ इलाकों में भीषण लू चल सकती है; पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 27-29 जून के दौरान लू चलने की संभावना है, जिसमें 27-28 जून को कुछ इलाकों में भीषण लू चल सकती है।

अलर्ट वाले इलाके

- ❖ ज़्यादा तापमान और गर्मी से जुड़ी बीमारियों के लक्षण दिखने की ज़्यादा संभावना उन लोगों में है जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों, जैसे कि छोटे बच्चों, बुजुर्गों और पुरानी बीमारियों से जूझ रहे लोगों की सेहत को लेकर ज़्यादा चिंता है।
- ❖ धूप/गर्मी से बचें - खुद को ठंडा रखें। डिहाइड्रेशन (पानी की कमी) से बचें।
- ❖ पर्याप्त पानी पिएं - प्यास न लगने पर भी।
- ❖ खुद को हाइड्रेटेड रखने के लिए ORS, घर पर बने पेय जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का इस्तेमाल करें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **अरुणाचल प्रदेश** में, जलजमाव से बचाव हेतु सब्जियों, मक्का, धान की नर्सरी और खड़ी फसलों के खेतों में जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। फसल के नुकसान से बचने के लिए परिपक्व सब्जियों और फलों की कटाई कर लें।
- **असम** में, धान की नर्सरी, जूट, अदरक, हल्दी, सब्जियों, केले, खट्टे फलों और पपीते के खेतों से अतिरिक्त जल निकासी की व्यवस्था सुनिश्चित करें। भारी बारिश के दौरान साली धान की नर्सरी बुवाई तथा और जूट, मक्का एवं सब्जियों की बुवाई न करें। बीज बोई हुई जगह को प्राकृतिक मल्लिचंग सामग्री जैसे पुआल, खेत के अवशेष आदि से ढक दें। गन्ने की फसल को गिरने से बचाने के लिए उसे यांत्रिक सहारा प्रदान करें।
- **मेघालय** में, धान की नर्सरी, मक्का, अदरक, लोबिया और सब्जियों के खेतों तथा केले के बागानों से अतिरिक्त जल निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध करें। छोटे पौधों को भारी बारिश से सीधे संपर्क में आने से बचाएं। अधिक भार से झुके हुए पौधों को सहारा देने के लिए प्रॉपिंग (बांस या लकड़ी के डंडों) का उपयोग करें।
- **मणिपुर** में, खरीफ-पूर्व धान की कटाई करें और उपज को सुरक्षित स्थान पर रखें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें। सोयाबीन, मिर्च, अदरक, हल्दी, केला और अन्य फसलों के खेतों के साथ-साथ हाल ही में लगाई गई पौध और नर्सरी की फसलों में जलजमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- **त्रिपुरा** में, भारी बारिश के दौरान धान और सब्जियों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- **उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल** में, भारी बारिश के दौरान धान की नर्सरी बुवाई न करें; जो धान की नर्सरी पहले ही बोई जा चुकी है, उसे पुआल की मल्लिचंग, सूखी घास या अस्थायी पॉलीथिन / एगो-नेट से ढककर सुरक्षित रखें ताकि बीज बहने, अंकुरण खराब होने और पौधों के नुकसान से बचा जा सके। जूट, अदरक, मिर्च, टमाटर और डल्ले खोरसानी के खेतों तथा खरीफ धान, रागी एवं सब्जियों की नर्सरी से अतिरिक्त जल की निकासी करें।
- **कोंकण और मध्य महाराष्ट्र** के घाट क्षेत्रों में, धान, रागी एवं सब्जियों की नर्सरियों में अतिरिक्त जल निकासी का उचित प्रबंध करें।
- **केरल** में, केले, नारियल, इलायची, अदरक, काली मिर्च और सब्जियों से अतिरिक्त जल की निकासी करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें और सब्जियों के पंजालों को मजबूत करें। भारी बारिश के दौरान धान की रोपाई न करें।
- **तमिलनाडु** में, मौसम साफ रहने पर परिपक्व बाजरे की कटाई और कपास की चुनाई करें तथा कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थान पर भंडारित करें।
- **तटीय कर्नाटक** में, धान की पौधशालाओं तथा फलों के बागानों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश** में, धान की नर्सरी, मक्के के खेतों और बागवानी फसलों (आम, केला आदि) में जलजमाव से बचाव हेतु जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें।

उच्च तापमान / ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- **बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश** में, सब्जियों की फसलों और फलों के बागानों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें। मिट्टी में नमी बनाए रखने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथिन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को उच्च तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को पर्याप्त मात्रा में पीने का साफ पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि गर्मी के प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

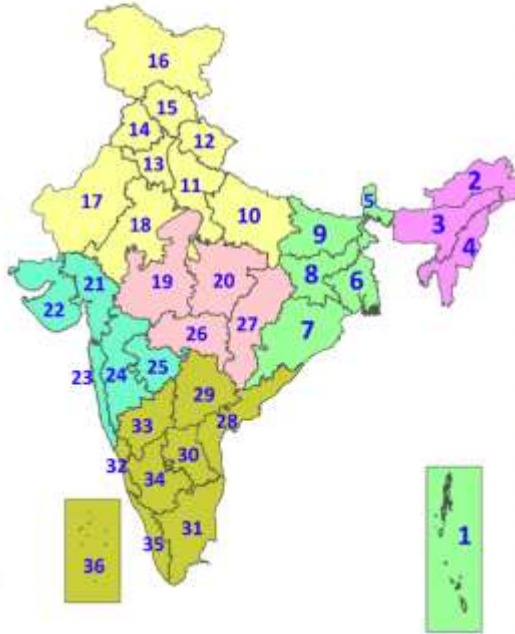
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). **Criteria for heat wave for coastal stations**
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)